	अप्रेल 2020	शक्तिशाली (ए), मध्यम (बी), साधारण (सी)	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	
1	अमृतवेले की स्थिति	शक्तिशाली, मध्यम, साधारण																															
2	मुरली सुनते स्थिति	नशायुक्त, एकाग्र अटेन्शन, साधारण																															
3	भोजन करते समय	योगयुक्त, अटेन्शन, साधारण																															
4	सारे दिन में कुल योग	8 घण्टे से ज्यादा, 8 घंटे तक, 4 घंटे																															
5	दृष्टि और वृत्ति	भाई-भाई, साधारण, देहभान अवगुणी																															
6	स्थिति कैसी रही?	उमंग उत्साह, उतार चढ़ाव, मूड ऑफ होना																															
7	संकल्प	सदा श्रेष्ठ शक्तिशाली, साधारण, व्यर्थ																															
8	वाणी	वरदानयुक्त, साधारण, आवेशयुक्त																															
9	कर्म	कर्मयोगी, योग-वियोग, अलबेलापन																															
10	सम्बन्ध-सम्पर्क	सेवा का सम्बन्ध, प्रभाव-लगाव, टकराव																															
	दिन का आदि समय																																
	दिन का अंत समय																																

1	मैं नष्टोमोहा समर्थ स्वरूप हूं।	12	मैं सहनशील, सर्व की स्नेही आत्मा हूं।	23	मैं संगठन शक्ति को बढ़ाने वाली सफलता स्वरूप हूं।
2	मैं खुदाई खिदमतगार सहजयोगी हूं।	13	मैं त्रिकालदर्शी, साईलेन्स में रहने वाली आत्मा हूं।	24	मैं फालो फादर तीव्र पुरुषार्थी आत्मा हूं।
3	मैं खुशी के खजाने से भरपूर बेफिकर बादशाह हूं।	14	मैं सर्व शक्तियों से संपन्न विश्वकल्याणकारी आत्मा हूं।	25	मैं सर्व की स्नेही, सहयोगी आत्मा हूं।
4	मैं बापदादा की छत्रछाया की अधिकारी आत्मा हूं।	15	मैं बाप समान ततत्वम् की वरदानी आत्मा हूं।	26	मैं चरित्रवान, महान आत्मा आत्मा हूं
5	मैं ब्रह्मा बाप समान परोपकारी आत्मा हूं।	16	मैं परमात्म लव में लवलीन देही अभिमानी आत्मा हूं।	27	मैं मास्टर सर्वशक्तिवान, संपूर्ण नष्टोमोहा आत्मा हूं।
6	मैं सन्तुष्टमणि, सफलतामूर्त आत्मा हूं।	17	मैं सूक्ष्मवतनवासी अव्यक्त फरिश्ता हूं।	28	मैं विश्वपरिवर्तक, उदाहरणमूर्त आत्मा हूं।
7	मैं तपस्वीमूर्त, मास्टर विधाता हूं।	18	मैं देह अभिमान को समाप्त करने वाली साक्षीदृष्टा हूं।	29	मैं एकरस रहने वाली एवररेडी आत्मा हूं।
8	मैं स्वकल्याणी, परोपकारी, मायाजीत विजयी आत्मा हूं।	19	मैं बाप समान सर्व खजानों से संपन्न आत्मा हूं।	30	मैं परमात्म ज्ञान की प्रूफ धर्मयुद्ध की विजयी आत्मा हूं।
9	मैं इच्छा मात्रम अविद्या, तपस्वीमूर्त आत्मा हूं।	20	मैं मन्सा सेवाधारी अंतर्मुखी आत्मा हूं।		
10	मैं सर्व प्राप्ति संपन्न अनुभूतिमूर्त आत्मा हूं।	21	मैं विघ्नविनाशक समाधान स्वरूप आत्मा हूं।		***ओम शान्ति***
11	मैं एकान्तवासी, सन्तुष्टमणि, वरदानीमूर्त आत्मा हूं।	22	मैं अचल-अडोल आत्मा हूं,		